इकाई–3 नलचम्पू काव्य – प्रथम उच्छ्वास 17
(एक गद्य तथा एक पद्य की व्याख्या)
इकाई–4 नलचम्पू पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न 17
इकाई–5 गद्य और चम्पू काव्यों का उद्भव एवं विकास 17
प्रश्न अथवा टिप्पणी

सन्दर्भ ग्रन्थ –
1. कवि बाण भट्ट कृत – कादम्बरी
2. त्रिविकम भट्ट कृत – नल चम्पू
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डा. राधावल्लभ त्रिपाठी

M.A. संस्कृत 2017-18

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र–महाकाव्य

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 शिशुपालवधम् (महाकवि माघकृत)– प्रथमसर्ग
(किन्हीं दो पद्यो की व्याख्या) 17
इकाई–2 नैषधीयचरितम् (महाकवि श्रीहर्ष कृत) – प्रथम सर्ग
(किन्हीं दो पद्यों की व्याख्या) 17
इकाई–3 इकाई प्रथम एवं द्वितीय पर आधारितं समीक्षात्मक प्रश्न 17
इकाई–4 रघुवंशम् (महाकवि कालिदास कृत) – त्रयोदश सर्ग 17
किसी एक पद्य की व्याख्या एवं प्रश्न (7+10)
इकाई–5 संस्कृत महाकाव्यों का स्वरूप, उद्भव और विकास
प्रश्न अथवा टिप्पणियां 17

सन्दर्भ ग्रन्थ –
1. संस्कृत कविदर्शन – डॉ0 भोलाशंकर व्यास
2. संस्कृत सुकवि समीक्षा – आचार्य बलदेव उपाध्याय

चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र–साहित्यशास्त्र

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई – एक : काव्यालंकार भामह–प्रथम परिच्छेद 17
व्याख्या / प्रश्न कोई दो
इकाई – दो : काव्यालंकार सूत्रवृत्ति– प्रथम अधिकरण 17

25.2.17 25/2/17 25.2.17 25.2.17

व्याख्या / प्रश्न कोई दो

इकाई – तीन : साहित्य दर्पण – प्रथम परिच्छेद 17

व्याख्या / प्रश्न कोई दो

इकाई – चार : ध्वन्यालोक – प्रथम उद्योत 17

व्याख्या / प्रश्न कोई दो

इकाई – पाँच : काव्यप्रकाश नवम तथा दशम उल्लास

अलंकारो के लक्षण एवं उदाहरण (कोई दो) अनुप्रास,यमक,उपमा(भेद सहित) रूपक,निदर्शना,अपन्हुति,विभावना,विशेषोक्ति ,उत्प्रेक्षा, आनन्वय, व्यतिरेक,दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति,दीपक,विरोध,परिकर,संकर तथा संसृष्टि । 17

(किन्हीं अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण)

सन्दर्भ ग्रन्थ – (1) भारतीय काव्य शास्त्र – डॉ. सत्यदेव चौधरी

(2) भारतीय साहित्य शास्त्र– डॉ. गणेश त्रयंबक देशपाण्डे

(3) काव्यालंकार – भामहकृत

(4) काव्यालंकार सूत्र वृत्ति – वामनकृत

(5) साहित्यदर्पण – विश्वनाथकृत

(6) ध्वन्यालोक – आनन्दवर्धनकृत

(7) काव्यप्रकाश – मम्मटकृत

चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र–संस्कृतवाङ्मय एवं आधुनिक विश्व

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई – एक : कौटिल्य अर्थशास्त्रम् 17

विनयाधिकारिक प्रथम अधिकरण

इकाई – दो : आर्षकाव्य रामायण एवं महाभारत की समालोचना 17

(अ) परवर्ती साहित्य पर प्रभाव

(आ) नैतिक मूल्य

(इ) पर्यावरण चिन्तन

(ई) भारतीय संस्कृति

(उ) आधुनिक युग में प्रासंगिकता

इकाई – तीन : मनुस्मृति – धर्म का लक्षण, धर्म के घटक 17

विवाह के भेद, पुत्र के प्रकार, राजधर्म,

इकाई – चार : मनुस्मृति – सृष्टि प्रकिया,संस्कार,राजव्यवस्था,उत्तराधिकार,पातक एवं वर्णाश्रम 17

इकाई – पाँच प्रमुख पुराणों का परिचय एवं महत्व 17

सन्दर्भ ग्रन्थ– (1) कौटलीय अर्थशास्त्र – सम्पादक वाचस्पति गैरोला

टि

25.2.17 25.2.17 25.2.17

(2) पुराण विमर्श – बलदेव उपाध्याय
(3) महाकवि वाल्मीकि -- राधावल्लभ त्रिपाठी
(4) संस्कृत वाङ्मय का इतिहास – डॉ. सूर्यकान्त
(5) मनुस्मृति – आचार्य मनुकृत

चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक) –विशेषकवि कालिदास

कुल अंक 85+15 सी.सी.ई.

इस प्रश्न पत्र में कालिदास ,भवभूति, इन कवियों में किसी एक कवि का अध्ययन अपेक्षित है।

1. विशेषकवि कालिदास

इकाई – एक : रघुवंशम् (पंचम एवं चतुर्दश सर्ग) 17
व्याख्या और प्रश्न

इकाई – दो : अभिज्ञानशाकुन्तलम्, 17
व्याख्या और प्रश्न

इकाई – तीन : मालविकाग्निमित्रम् 17
व्याख्या और प्रश्न

इकाई – चार : विक्रमोर्वशीयम् 17
व्याख्या और प्रश्न

इकाई – पाँच : कालिदास की समस्त कृतियों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न 17

अथवा

2. विशेष कवि भवभूति

इकाई – एक : उत्तर रामचरितम् (1 से 4 अंक) 17
व्याख्या और प्रश्न

इकाई – दो : महावीर चरितम् (1 से 4 अंक) 17
व्याख्या और प्रश्न

इकाई – तीन : मालतीमाधवम् (1 से 4 अंक.) 17
व्याख्या और प्रश्न

इकाई – चार : भवभूति के रूपकों में प्रयुक्त सूक्तियों का विश्लेषण 17

इकाई – पाँच : भवभूति की कृतियों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न 17

अनुशंसित ग्रन्थ :–

25.2.17 25.2.17 25.2.17 25.2.17

1. उत्तररामचरितम्
2. महरावीरचरितम्
3. मालतीमाधवम्
4. भवभूति
5. संस्कृत सुकवि दर्शन
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास–वाचस्पति गैरोला

अथवा

3. भारतीय ज्योतिष

इकाई–1 ज्योतिर्विज्ञान का परिचय एवं इतिहास (प्रश्न अथवा टिप्पणियाँ) 17

इकाई–2 लघुपाराशरी (व्याख्या तथा प्रश्न) 17

इकाई–3 जातक–पारिजात अध्याय 07 राजयोगाध्याय (व्याख्या तथा प्रश्न) 17

इकाई–4 बृहत्संहिता अध्याय 01 से 05 (वराहमिहिर) (व्याख्या तथा प्रश्न) 17

इकाई–5 मुहूर्तचिन्तामणि (प्रारम्भ से विवाह पर्यन्त) श्री राम दैवज्ञ (व्याख्या तथा प्रश्न) 17

अथवा

4. पुराण

इकाई–1 "पुराण" का अर्थ,लक्षण,वर्ण्यविषय तथा महत्व । अष्टादश पुराणों का सामान्य परिचय ।

इकाई–2 स्कन्दपुराण– 'रेवाखण्ड'– व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न ।

इकाई–3 विष्णुपुराण– प्रथम दस अध्याय–व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न ।

इकाई–4 श्रीमद्भागवत्पुराण का परिचय – वर्ण्यविषय, महत्व तथा अन्य वैशिष्ट्य समीक्षात्मक प्रश्न ।

इकाई–5 पुराणवर्णित विद्याओं और विविध कलाओं का सामान्य परिचय । यथा–ज्योतिष, वास्तु, कृषि, आयुर्वेद, धर्मशास्त्र, पर्यावरण आदि । संगीत, चित्रकला एवं अन्य कलाएँ ।

25.2.17 25.2.17 25.2.17 25.2.17

सन्दर्भसूची –

1. पुराणविमर्श–डॉ.बलदेव उपाध्याय,चौखम्बा प्रकाशन
2. स्कन्दपुराण– गीता प्रेस,गोरखपुर
3. पौराणिक धर्म एवं समाज–एस.एन.रायं
4. पुराण समीक्षा– डॉ. हरिनारायण दुबे
5. श्रीमद्भागवत्पुराण–गीता प्रेस, गोरखपुर
6. विष्णुपुराण – गीता प्रेस, गोरखपुर
7. स्कन्दपुराण–जी.वी.टागरे,दिल्ली
8. इतिहास पुराण का अनुशीलन–रमाशंकर भट्टाचार्य
9. पुराणानां का व्यरूपतायाः विवेचनम्–आर.पी.वेदालंकार ।

अथवा

5. प्राकृत भाषा तथा जैन साहित्य

इकाई–1 प्राकृत भाषा का उद्भव और विकास–
'प्राकृत' शब्द की व्युप्तत्ति, प्राकृत भाषा का विकास, वैशिष्ट्य, प्रकार तथा विभिन्न प्राकृतों का परिचय ।

इकाई–2 समयसार–अध्याय प्रथम – व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–3 तत्वार्थसूत्र–अध्याय प्रथम – व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–4 जैनागम तथा जैन साहित्याचार्यो का परिचय :–
अ) षट्खण्डागम, तिलोयपण्णत्ति, कार्तिकेयानुप्रेक्षा, तथा समणसुत्तम्– समीक्षात्मक प्रश्न ।
आ) कुन्दकुन्दाचार्य, समन्तभद्राचार्य, आचार्य अकलंक, आचार्यउमास्वामी,हरिभद्रसूरी, आचार्य हेमचन्द्र, आचार्य तुलसी, आचार्य विद्यासागर तथा गणिनी आर्यिका ज्ञानमती– समीक्षात्मक प्रश्न ।

इकाई–5 जैनस्तोत्रें (मानतुंगाचार्यकृत) कल्याणमन्दिर स्तोत्र (कुमुदचन्द्राचार्यकृत) महावीराष्टकस्तोत्र (कवि भागचन्दकृत) व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न ।

सन्दर्भग्रन्थसूची –

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास–डॉ. जगदीशचन्द्र जैन–चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।
2. प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास–डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री
3. समयसार–आचार्य कुन्दकुन्द

25.2.17 25.2.17 25/2/17 25.2.17

4. तत्वार्थसूत्र–आचार्य उमास्वामी
5. जैनधर्म और दर्शन–मुनि प्रमाणसागर
6. जैनधर्म–पण्डित कैलाशचन्द्र ाास्त्री
7. भक्तामरस्तोत्रम्–आचार्य मानतुंग
8. कल्याणमन्दिरस्तोत्रम्–आचार्य कुमुदचन्द्र
9. महावीराष्टक स्तोत्रम्– कवि भागचन्द्र
10. जिनस्तोत्र निकुंज– श्री दिगम्बर साहित्य प्रकाशन समिति,बरेला,जबलपुर
11. वृहज्जिनवाणी संग्रह – सम्पादक– डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल ।

एम0ए0 संस्कृत
परियोजना(समसामयिक अथवा प्रयोजन मूलक)

तृतीय सेमेस्टर (पूर्व भाग) –आंतरिक–मूल्यांकन ~~50 अंक~~

चतुर्थ सेमेस्टर ~~(उत्तर भाग)~~ –बाह्य परीक्षक के सहयोग से मूल्यॉकन ~~50 अंक~~ 100 अंक

कुल 100 अंक

तृतीय–एवं चतुर्थ सेमेस्टर में छात्र संस्कृत विषय में रोजगारोन्मुखी परियोजना लेंगे। वे शिक्षक के परामर्श से स्थानीय अथवा राष्ट्रीय योजनाओं से संबंधित उपयोगी विषयों पर कार्य कर सकते हैं। दिशा–निर्देश की दृष्टि से अधोलिखित विषय मार्गदर्शित है।

1– समसामयिक विषय पर आधारित।
2– प्रयोजन मूलक विषय से संबद्ध।
3– पत्र पत्रिकाओं का भाषा संबंधी अध्ययन।
4– कम्प्युटर से संबंधित विषय।
5 – ज्योतिष एवं कर्मकांड से संबंधित।
6– धार्मिक विषयों से संबंधित ।
7– संस्कार विधि से संबंधित।
8– व्यावसायिक संस्थानों से संबंधित।
9– पर्यटन से संबंधित।
10– वन्य सम्पदा से संबंधित ।
11– पर्यावरण से संबंधित।

25.2.17. 25.2.17 25.2.17 25.2.17

नोट–– परियोजना कार्य का मूल्यांकन ~~प्रथम सत्र में 50 अंक के लिये~~ होगा तथा ~~द्वितीय में 60 अंक~~ के लिये होगा। विद्यार्थी को परियोजना का प्रतिवेदन जमा करना होगा। साथ ही जिस संस्थान में परियोजना पर कार्य किया गया है, उसका प्रमाण पत्र भी प्रतिवेदन में संलग्न करना होगा।

26/2/17 25.2.17 25.2.17